# Hkkjrh; turk ikVÊ fdlku ekpk

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001

दिनांक : मई 21, 2006

## çl foKfIr

## fdlku ekpk dh nk fnolh; cBd dk jktukFk flg u lekiu fd;k

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आज भाजपा मुख्यालय में विधिपूर्वक समापन किया गया। इस समारोप कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह जी उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त राष्ट्रीय मंत्री व किसान मोर्चा के प्रभारी हरजीत सिंह ग्रेवाल, किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महादेव राव शिवंणकर भी मंच पर आसीन थे। इस बैठक में किसान मोर्चा द्वारा तीन प्रस्ताव पारित किए। किसान, गौ–रक्षा व जैविक ऊर्जा से संबंधित प्रस्ताव पारित किए गए। किसान मोर्चा का प्रस्ताव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम प्रकाश धनकड़ द्वारा पेश किया गया, जिसको सर्वसम्मति से पास किया। विभिन्न राज्यों से आए हुए किसान प्रतिनिधियों ने श्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया। सर्वप्रथम, राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद पांडे ने पुष्पमाला पहनाकर व किसान चिन्ह "हुक्का" भेंट कर उनका इस बैठक में स्वागत किया। तदोपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने उपस्थित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा भारत की 75 प्रतिशत जनसंख्या गांव में रहती है और खेती से जुड़ी है। नेताओं में प्रारंभ में ही सच्चाई को समझ लिया होता तो आज किसान की यह दुर्दशा न होती। गांव में गरीबी बढ़ी है, बेरोजगारी बढ़ी है। तीन–चार साल में भारत समृद्धशाली नहीं बन सकता। भारत में सबसे बड़ा ग्राहक और उपभोक्ता किसान है। अगर इसकी जेब में पैसा होगा तो भारत विकसित होगा एवं समृद्धशाली बन सकता है। बहुत प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत में पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने समझा कि गांव में बुनियादी वस्तुओं का विकास जैसे : सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा आदि। सन् 2007 तक सम्पूर्ण गांव राष्ट्रीय राज्यमार्गों से जोड़ दिए जाएगें। सन् 2012 बिजली, सिचाई, पेयजल के लक्ष्यों के लिए भी लक्ष्य तैयार किया गया था। जिस पर यूपीए सरकार ने आज तक कोई विचार नहीं किया। योजनाओं को आगे बढ़ाने का काम ढप पड़ा है। आज पंजाब का किसान जो लगभग आधे देश का पेट भरता था, वह भी आज आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहा है व आत्महत्या कर रहा है। कृषि क्षेत्र के लिए बजट ऐलोकेशन बढ़ाना होगा, जिससे कृषि के क्षेत्र में पूंजी निवेश बढ़ सके। सरकारी पूंजी निवेश बढ़ाने के लिए बजट में 15 प्रतिशत बजट ऐलोकेशन होना चाहिए। प्राइवेट सैक्टर में किसान पूंजी निवेश कैसे करे, किसान को लाभकारी मूल्य मिले उसी के आधार पर यह संभव है। एनडीए के शासनकाल में किसान बैंको से जो ऋण लेता था, वह 14–18 प्रतिशत से ब्याज दर घटाकर 8.5–9 प्रतिशत किया गया। और भविष्य में ब्याज दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने को कहा। कर्नाटका सरकार ने अदर्रप्पा जी ने कहा कि जो लोग कर्ज लेना चाहते है, उनको 4 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से पैसा दिया जाएगा। ऐसा महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। यूपीए सरकार को चाहिए कि वह भी पूरे देश में कृषि ऋण पर ब्याज दर को कम करे। प्राकृतिक आपदा से यदि कोई भी किसान शिकार हो गया तो वह कर्ज के बोझ से दब जाता है और आत्महत्या करने के लिए मजबूर होता है। महाजन के पैसे से

ब्याज के बोझ से दब जाता है क्योंकि महाजन के ऋण का ब्याज दर बहुत अधिक होता है व आत्महत्या करना उसकी मजबूरी होती है। उसके लिए चाहिए कि किसान के खेत की आमदनी को प्रतिवर्ष तय कर दिया जाए। ऐसा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकाल में फैसला हुआ है कि बीमा योजना लागू होने से क्रय क्षमता बढ़ जाएगी, कुटीर उद्योगों में माल की क्वालिटी व उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। एक घर से एक व्यक्ति को नौकरी दी जानी चाहिए। पानी का संकट देश में बहुत ही गंभीर है। भारत की 40 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि ही सिंचित है, शेष 60 प्रतिशत असिंचित है। जो हमारे देश में परियोजना का कार्य चल रहा है वह एक वर्ष के बजाए 5 वर्ष में पूरा हो पाता है, जिससे कि सरकार का बहुत बड़ा पैसा उस पर खर्च होता है। परियोजना का कार्य समय से पूरा होना चाहिए। आज जल–संचयन अति आवश्यक है, जिससे गिरते हुए जलस्तर को ऊंचा उठाया जा सके। गांव में तालाब बनवाने चाहिए। ऐसा संघर्ष किसान मोर्चा के कार्यकर्ता को सरकार के खिलाफ दबाव बनाकर पूरा कराना चाहिए। केवल संघर्ष करने मात्र से ही कार्य पूर्ण नहीं हो जाता। यह हमें अपना सामाजिक दायित्व भी समझना चाहिए। हमारी छवि, किसान मोर्चा के कार्यकर्ता की छवि सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में भी छवि उभरकर सामने आनी चाहिए। सरकार जो गेंहूं का आयात कर रही है, वह एडब्ल्यूबी, जो दागी कम्पनी के माध्यम से कर रही है। उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। वास्तव में गेंहूं के आयात की कोई आवश्यकता नहीं है। स्वाभाविक है कि किसानों को बाजारों में जो कीमत मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है। यदि गेंहूं के आयातित मूल्य के बराबर यदि हमारे देश के किसान को उसके गेंहूं का मूल्य मिलता है तो किसान की आर्थिक स्थिति में सुधार अवश्य होगा। यूरोपीयन देशों में जो सब्सिडरी दी जाती है। ऐसा हमारे देश में नहीं है। भूमंडलीकरण शुरू हुआ है। उसमें कहा गया है कि सब्सिडरी को कम या समाप्त कर दिया जाना चाहिए। हमारा यह मानना है कि सब्सिडरी को बढ़ाना चाहिए। किसान मोर्चा द्वारा एक समीति के माध्यम से 30–35 फसल उत्पादों की एक न्यूनतम मूल्य (रेट लिस्ट) तय की जाए। जिसमें किसानों के लागत मूल्य के आधार पर न्यूनतम मूल्य तय हो। जिससे कि देश का किसान, किसान मोर्चा के कार्यकर्ता को आशाभरी नजरों से देखेगा। साफ नियत ईमानदारी व अच्छी लगन से यदि कार्यकर्ता काम करेगा तो उसे परमात्मा देखेगा। ऐसे व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। जीवन में बड़े लक्ष्य को वही व्यक्ति प्राप्त कर सकता है, जो सच्ची लगन व महनत के साथ कार्य करता है। यदि वास्तव में कोई अन्नदाता है तो वह देश का एकमात्र किसान ही है। अन्नदाता को भगवान कहते है। भारतीय जनता पार्टी एक विचारधारा की पार्टी है और यह हम सभी लोगों का सौभाग्य है जो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। दो मुख्य बातें बहुत ही आवश्क है कृषि आमदनी बीमा योजना और कृषि ऋण पर ब्याज दर कम करना। इसके लिए सरकार पर दबाव बनाया जाना चाहिए, जो किसान मोर्चा के कार्यकताओं से ही संभव है। अध्यक्षीय भाषण के पश्चात् मुख्य रूप से किसान मोर्चा के राजेश गहलोत, जीतराम सोलंकी, डॉ० आर.पी. सिंह, संजीव अरोड़ा ने पुष्पमाला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर अध्यक्ष जी का स्वागत किया। अंत में श्री विनोद पांडे ने श्री राजनाथ सिंह को जानकारी दी की वे आगामी आने वाले तीन महीनों में हर राज्य में किसान सभा करेंगे व आने वाले 90 दिनों में किसान मोर्चा का प्रत्येक पदाधिकारी इस भ्रष्टाचार से लिप्त सरकार के खिलाफ धरने, प्रदर्शन आदि करेंगे।

¼';ke tkt½
*कार्यालय प्रभारी*